जनसंपर्क विभाग, अमेरिकी दूतावास
आधिकारिक पाठ्य-सामग्री
शांतिपथ, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली 110021 दूरभाषः 011.24198000 एक्सटेंशनः 8827
फैक्सः 011. 24198817 वेबसाइटः http://newdelhi.usembassy.gov

अमेरिकी विदेश विभाग
प्रवक्ता कार्यालय

तुरंत जारी करने हेतु
2 दिसंबर, 2009
2009/1205

उद्बोधन
यूनाइटेड स्टेट्स सीनेट आर्म्स सर्विसेज कमिटी में
अमेरिकी विदेश मंत्री हिलेरी रोढाम क्लिंटन का उद्बोधन
2 दिसंबर, 2009
वाशिंगटन, डी.सी.
(प्रातः 9:30 ईएसटी)

सेक्रेटरी क्लिंटनः चेयरमैन लेविन, सीनेटर मैक्कैन, कमिटी के सदस्यगण, आपके सम्मुख भूतपूर्व सहकर्मियों और मित्रों से बात करने के अवसर हेतु मैं बहुत आभारी हूं। इस कमिटी के बारे में मेरे अनुभव ने हमारे देश के द्वारा लड़े जा रहे बहुत से मुद्दों पर मेरे दृष्टिकोण में सहायता की है।

कल, राष्ट्रपति ओबामा ने अफगानिस्तान और पाकिस्तान के लिए प्रशासन की रणनीति प्रस्तुत की। आज, सेक्रेटरी गेट्स, एडमिरल मुलेन, और मैं अतिरिक्त विवरण दूंगी। लेकिन, व्यक्तिगत स्तर पर मैं संक्षिप्त रूप से बताऊंगी कि हम यह वचनबद्धता क्यों कर रहे हैं। सीधी सी बात है, वर्तमान और भविष्य में अपने देश को बचाने के कठिन विकल्पों में यह सबसे अच्छा रास्ता है।

अतिवादी जिनसे हम अफगानिस्तान और पाकिस्तान में लड़ रहे हैं उन्होंने हमारे और साथियों पर हमला किया था। यदि हम उन्हें 2001 से पहले की तरह सुरक्षित जाने दें तो वे और अधिक ताकतवर हो जाएंगे और पुनः संगठित हो जाएंगे और पुनः आक्रमण करेंगे। यह समस्त क्षेत्र में अराजकता में घसीटना चाहते हैं। अफगानिस्तान में हमारे नागरिक और सैनिक प्रमुखों ने बताया है कि स्थिति गंभीर है और बिगड़ती जा रही है, और हम इस पर सहमत हैं।

11 सितंबर के परिणामस्वरूप, मैं उन पुत्रों, पुत्रियों, पतियों, पत्नियों के दु:ख से पीड़ित हूं जिनके प्रिय मार दिए गए। यह हमारे देश पर, संविधान पर एक हमला था। मैं हजारों निर्दोष परिवारों की जिंदगी के भयंकर परिणामों की गवाह थी। हमारी अर्थव्यवस्था और हमारी सुरक्षा की चेतना को नष्ट कर दिया। इसलिए अपने देश को ऐसी हिंसा से बचाने की मैं व्यक्तिगत जिम्मेदारी समझती हूं।

अलकायदा और इसके सहयोगियों के विरुद्ध कार्रवाई करने का मामला हमेशा स्पष्ट रहा है, लेकिन अमेरिकी कार्रवाई पिछले आठ सालों से ही नहीं है। एक और युद्ध के बादलों ने हमारे ध्यान को बांट दिया है। जब हमारा ध्यान कहीं और था, अफगानिस्तान में तालिबान ने गतिशीलता प्राप्त कर ली। और 175 मिलियन जनसंख्या, परमाणु हथियार, और चुनौतियों वाले पाकिस्तान में अतिवादियों के खतरा बढ़ गया।

यह राष्ट्रपति ओबामा की सावधान, गहन समीक्षा करने के आवाह्न की रणनीति के विरुद्ध था। मुझे इस प्रक्रिया का हिस्सा होने पर गर्व था, जिसमें प्रत्येक धारणा पर सवाल उठाए गए। हमारे उद्देश्य स्पष्ट हैं: जो लोग हमारे, हमारे सहयोगियों और हमारे हितों के विरुद्ध आक्रमण हेतु षडयंत्र रच रहे हैं उनके सुरक्षित स्थानों को समाप्त करने के लिए हम अफगान और पाकिस्तानी सरकारों के साथ कार्य करेंगे; हम एक क्षेत्र को स्थिर करने में सहायता करेंगे जिसे हम मानते हैं कि यह हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक है; और हम दीर्घकालीन, सतत रिश्ते अफगानिस्तान और पाकिस्तान दोनों के साथ बनाएंगे ताकि हम अतीत की गलती को न दोहराएं। हमारी सैनिक उपस्थिति अनंतकाल तक के लिए नहीं है, लेकिन सैनिकों के अंतत: वापस आने पर भी हमारी नागरिक प्रतिबद्धता जारी रहेगी।

इस मिशन को पूरा करने और अमेरिकी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना आसान नहीं होगा। इसका तात्पर्य अफगानिस्तान में अधिक सैनिक भेजना ही नहीं बल्कि अधिक नागरिक और अधिक सहायता भेजनी होगी और पाकिस्तान में महत्वपूर्ण रूप से नागरिक प्रयास करने होंगे।

जो महिलाएं और पुरुष इस सैनिक-नागरिक मिशन को चला रहे हैं वे पावरप्वाइंटर स्लाइड शो पर एक सूची के सदस्य या वस्तुएं नहीं हैं। वे हमारे दोस्त, पड़ोसी, हमारे पुत्र और पुत्रियां , हमारे भाई और बहिनें हैं। और हम उनसे और अमेरिकी लोगों से सुरक्षा के लिए असाधारण बलिदान देने के लिए कहेंगे। मैं इस कमिटी को आश्वास्त करना चाहती हूं कि मैं इस निगरानी जिम्मेदारी को इतनी गंभीरता से जानती हूं कि मैं उनके बलिदान को सम्मानित करने और राष्ट्र को सुरक्षित बनाने के लिए कोई कमी नहीं छोड़ूंगी।

अफगानिस्तान और पाकिस्तान में स्थिति गंभीर है, लेकिन मेरी दृष्टि में उतनी नकारात्मक नहीं है जितनी जनता में अक्सर चित्रित की जाती है। राष्ट्रपति करज़ई के द्वितीय कार्यकाल की शुरुआत ने अवसरों के नए द्वार खोल दिए हैं। हम अफगान सरकार में भ्रष्ट अधिकारियों के प्रभाव के बारे में सचमुच चिंतित हैं और हम उनका पीछा करते रहेंगे। गत सप्ताह उनके उद्घाटन भाषण में जिसमें मुझे भाग लेने का अवसर मिला, मैं करज़ई के नया समझौता करने के आवाह्न करने की गवाह हूं। उन्होंने भ्रष्टाचार से लड़ने, शासन में सुधार करने और अपने देश के लोगों को सौंपने की प्रतिज्ञा की। उनके शब्दों को पूरा होने में समय लगेगा लेकिन उनका स्वागत है। उन्हें कार्यान्वित करना हैं। अफगानी लोग, अमेरिका और विश्व समुदाय इन अच्छी प्रतिबद्धताओं के लिए सराहना करनी चाहिए। हम अफगान समुदाय के प्रत्येक स्तर पर संस्थानों को मजबूत बनाने के लिए सहायता करेंगे इसलिए जब हमारे सैनिक प्रस्थान करना शुरू करें तो कोई उथल-पुथल नहीं चाहते हैं।

अफगान जिम्मेदारी के परिवर्तन के लिए राष्ट्रपति ने समयसीमा की रूपरेखा तैयार की है, जिसे राष्ट्रपति करजई ने स्वीकार किया है, और जिसे हम अफगानीकरण की जरूरत की नवीकृत समझ के बहुत अच्छे संकेत के रूप में लेते हैं। यह परिवर्तन 2011 की गर्मियों में शुरू हो जाएगा, जब हम उम्मीद करते हैं अफगान सुरक्षा बल और अफगान सरकार अपने देश की रक्षा करने क्षमता प्राप्त कर लेंगे। जैसाकि राष्ट्रपति ने कहा, हम जमीनी स्थितियों को ध्यान में रखते हुए परिवर्तन की जिम्मेदारी क पालन करेंगे। लेकिन हम सोचते हैं ऐसे परिवर्तन के लिए एक समयसीमा अफगान सरकार के साथ काम करने में तात्कालिकता का अनुभव कराएगी।

प्रत्येक को यह स्पष्ट होना चाहिए कि अतीत के विपरीत, अमेरिका, हमारे सहयोगी और भागीदार अफगानिस्तान व पाकिस्तान और इस क्षेत्र के प्रति स्थाई रूप से प्रतिबद्ध हैं। इसलिए इस लड़ाई में हमारा संकल्प सैनिकों की दृढ़ प्रतिबद्धता और नागरिक वचनबद्धता में प्रतिबिंबित हुआ है जो सैनिकों की वापसी के बाद भी जारी रहेगा। नागरिक प्रयास को पहले सफलता मिल चुकी है।

नागरिक विशेषज्ञ और परामर्शदाता सरकारी मंत्रालयों में नीति बनाने में सहायता कर रहे हैं, विकास सहायता उपलब्ध करा रहे हैं और अनेक अन्य भूमिकाओं में कार्यरत हैं। जुलाई में जब हमारे मरीन नावा में गए तो हमारे नागरिक वहां पर सहायता समन्वय के लिए थे। जैसे-जैसे आपरेशन्स प्रगति कर रहा है हमारा सिविल सहयोग अधिक मजबूती से बढ़ रहा है।

अफगानिस्तान में आगामी वर्ष की शुरुआत में हम सिविलियन पदों की संख्या तीन गुना करके 974 कर लेंगे। औसतन प्रत्येक सिविलियन के स्थानीय स्टाफ से लेकर अमेरिका द्वारा वित्तपोषित गैर-सरकारी संगठनों के विशेषज्ञों तक 10 भागीदार हैं। यह कहना घिसी-पिटी बात होगी कि हमारे सबसे अच्छे लोग इस काम में हैं, लेकिन यह सही है। कुछ सप्ताह पहले जब मैं काबुल में थी मैं एक अमेरिकी कर्नल से से मिली जिसने मुझे बताया कि इस समय उनके पास उनकी कमांड में हजारों सर्वोत्कृष्ट सिपाही हैं, उनमें से किसी में भी बटालियन के साथ कार्य करने वाले यूएसडीए सिविलियन का 40 साल का कृषि कार्य का अनुभव नहीं था, या कानून व्यवस्था और अमेरिकी विदेश विभाग से सिविलियन विशेषज्ञों जैसी प्रशासनिक विशेषज्ञता नहीं थी। उन्होंने बताया: ''इन सिविलियनों को जो भी सहयोग की जरूरत है उसकी आपूर्ति करके मुझे खुशी है। और मुझे उनकी आवश्यकता है।'' राष्ट्रपति की रणनीति इसे संभव बनाएगी।

हमारे उद्देश्यों की पूर्ति के लिए हमारे पास केवल सही लोग ही नहीं हैं, बल्कि हमारे पास दृढ़ रणनीति भी है। हम प्रभावशाली सहायता प्रदान करेंगे और अफगानिस्तान के कृषि क्षेत्र, पारंपरिक प्रमुख अफगान अर्थव्यवस्था को को मजबूती प्रदान करेंगे। इससे रोजगार उत्पन्न होंगे तालिबानों को अफीम की खेती से प्राप्त होने वाली राशि में कमी आएगी, उग्रवादियों का युद्ध से मोहभंग होगा। हम अफगानिस्तान की अगुआई प्रयासों में अल-कायदा, हिंसा का परित्याग करने वाले तथा अफगान समाज से पुनः जुड़ने वाले तालिबानियों के लिए द्वार खोलने में सहयोग करेंगे। हम समझते हैं कि कुछ विद्रोह करते हैं वे किसी धारणा के कारण नहीं बल्कि दबाव या धन के कारण करते हैं।

इसलिए, सभी अफगानियों को बेहतर भविष्य की तलाश करनी चाहिए यदि वे ऐसा शांतिपूर्वक करते हैं, अपने साथी नागरिकों के मूल मानवाधिकारों का सम्मान करना चाहिए अपने समाज से पुनः जुड़ना चाहिए। अफगानिस्तान में बाहरी हस्तक्षेप को कम करने की इच्छा से क्षेत्रीय कूटनीति इस दृष्टिकोण की पूरक है।

हमारा यह भी विश्वास है कि दृढ़, स्थिर, लोकतंत्रिक पाकिस्तान का हिंसक उग्रवाद से लड़ने में मुख्य भागीदार होना आवश्यक है, और पाकिस्तान के लोग तेजी से हमारे दृष्टिकोण से सहमत हो रहे हैं। मैंने अपने हाल के दौरे के दौरान दोहराते हुए सुना है। इसलिए हमारे संबंध को सिविलियन रूल के समान लक्ष्यों की दृढ़ता की जरूरत है, आर्थिक विकास को मजबूत बनाने की जरूरत है, और जो पाकिस्तान, अफगानिस्तान, अमेरिका और दुनिया के लिए खतरा हैं उनको परास्त करने की जरूरत है।

हम पाकिस्तान के लोगों में संभाव्यता विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण रूप से सहयोग का विस्तार करेंगे। ऐसा हम पाकिस्तान के प्रति वचनबद्धता को प्रदर्शित करके करेंगे जिस पर पाकिस्तान के अतीत में भी सवाल उठ चुका है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि पाकिस्तान के लोग जानते हैं कि हम लंबे समय से उनके भागीदार रहे हैं, और हमरा उद्देश्य उनके भविष्य को मजबूत बनाने के लिए वह सब कुछ करना है जो कुछ हम कर सकते हैं। अब हम इन चुनौतियों का सामना अकेले करने नहीं जा रहे हैं। हम यह जिम्मेदारी दुनिया के साथ बांटकर निभाएंगे।

सेनाओं, प्रशिक्षकों और संसाधनों के अतिरिक्त गठबंधन प्रतिबद्धता सुनिश्चित करने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए मैं कल ब्रुसेल्स जाऊंगी। हमें उम्मीद है सेक्रेटरी जनरल रासमुसेन इस दिशा में हम जो प्रगति कर रहे हैं उसके बारे में घोषणा करेंगे। एम्बैसेडर हॉलब्रुक, हमारे विशेष प्रतिनिधि साथियों से पहले ही वहां विचार-विमर्श कर रहे हैं। और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से भी पाकिस्तान को सहयोग करने के लिए कह रहे हैं। हमारे उद्देश्य से दुनिया के लोग और सरकारें सहमत हैं और विशेष रूप से सभी जगह मुसलमानों से मिल रहे हैं।

अंत में, हम अफगानिस्तान और पाकिस्तान में कठिन विकल्पों का सामना कर रहे हैं, लेकिन राष्ट्रपति की योजना आज अपने देश को बचाने और भविष्य के लिए सबसे अच्छा रास्ते का प्रतिनिधित्व करना है। जो लक्ष्य मैंने रखा है वह हमारे जीवन में किसी भी राष्ट्रीय चुनौती की तरह कठिन है। अगर लोग इसको किसी एक पार्टी, सरकार में एक अकेली एजेंसी या अकेले देश की जिम्मेदारी के रूप में देखेंगे तो हम सफल नहीं होंगे। हम सैनिकों और सिविलियंस के ऋणी हैं जो इन खतरों का सामना करेंगे जो अमेरिकी के रूप में, सहयोगियों और अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों के रूप में संगठित होकर आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं।

हमें इस मिशन को पूरा करना होगा, और इन चुनौतियों का सामना करने के लिए आपके साथ कार्य करेंगे। सभी का बहुत धन्यवाद।

***